रात्रि क्लास 3-12-68 ओमशान्ति शिव बाबा याद है?

और सभी ह भक्ति-मार्ग के सतसंग। वहां तो बहरे आद भी चल जाते हैं। यहां तो पढ़ाई है। बहरे समझ न सकें। तो नजदीक बिठाया जाता है यहां तुम समझदार बनते हो। बच्चे समझते हैं बाप पढ़ाते हैं मैनर्स सिखलाते हैं। बाप कहते हैं काम विकार से हराने के कारण तुम कोई काम के न रहे हो। अभी इन पर जीत पाकर ब समझदार बनते हो। बेसमझ समझदारों का वर्णन करते हैं। यह बातें भी अभी तुम समझते हो। भगवानुवा सभी स इस समय बेसमझ हैं। फिर भगवान ही श्रृंगार कर समझदार बनाते हैं। यह (ल0ना0) श्रृंगारे हुये हैं ना। दैवीगुण भी धारण करनी है। इसमें पुरुषार्थ करना होता है। भक्ति मार्ग में पुरुषार्थ करना होता नहीं। स्कूल में पुरुषार्थ कर बैरीस्टर जज आदि बनते हैं। भक्ति मार्ग में कुछ भी नहीं जानते हैं। बाप को बुलाते हैं हे पतित-पावन बाबा आओ आकर हमको पावन बनाओ। परन्तु अर्थ कुछ नहीं समझते। बापू जी गाते थे परन्तु जानते थोड़े ही थे। रामराज्य किसको कहा जाता है। अभी तुम्हारा युध है 5 विकारों से। देही अभिमानी बनना होता है। बाप कहते हैं अपने को आत्मा समझो। देहअभिमान में आने से उल्टी उल्लू बन जाते हो। दुनिया में कोई भी नहीं जानते भगवान किसको कहा जाता है। जिधर देखो उधर भगवान ही भगवान कह देते। बाप बच्चों को बहुत अच्छी रीत पढ़ाते हैं। और बच्चों से पूछते हैं अच्छी रीत समझते हो। मुझ अपने निराकार बाप को याद करो। भगवानुवाच है तो भगवान निराकार होता है। साकार भगवान होता नहीं। देवताओं को भगवान नहीं कहा जाता। मनुष्य मनुष्य को नमः नहीं करेंगे। पवित्र को अपवित्र नमन करते हैं। तो यह सभी बातें अच्छी रीत समझने समझाने की है। शिव बाबा को तो जानते हो ना। बाप के लिये ऐसे नहीं कहेंगे कुत्ते बिल्ले सभी में है। बाप कहते हैं भारत में कितनी गालियां देते हैं। कितनी गन्द है। एक तो गालियां देते हैं दूसरा फिर विकार में जाते हैं। तो डबल गंदे हुये ना। पावन दुनिया सतयुग है नई दुनिया। कोई को कहो तुम पतित हो तो बिगड़ेंगे। अरे यह है ही पुरानी दुनिया। पुरानी दुनिया में पतित होते हैं। गांधी भी गाते थे पतित पावन .... यह कोई भी नहीं समझते हम बिल्कुल नर्कवासी हैं। बाप फील कराते हैं बताओ तुम कौन थे। जैसे बाप कहते हैं नाकहांये थे। वेश्या पास काला मुंह करने गये। शर्म नहीं आती। बाप भी कहते हैं मैं तुमको इतना गोरा बना कर गया विश्व का मालिक बनाया सभी पैसे कहां गये। पैसे बरबाद करते हैं। बेहद का बाप तो समझावेंगे ना। बाप है भी गरीब निवाज। उन्हों को मर्तबे आदि का इतना नहीं रहता। बाप तो सभी कहेंगे तुम तो बन्दर हो। इसलिये बाप कोई से मिलते नहीं। यह पतित दुनिया है ना। परन्तु मनुष्य2 भी देखना होता है। कोई तो फिर गाली भी देने लग पड़ेंगे। भगवानुवाच यह है आसुरी सम्प्रदाय। हमारी है दैवीसम्प्रदाय। साधु सन्त आदि का उधार भी बाप को करना है। तो फिर वह किसका उधार कर कैसे सकें। परन्तु ऐसी बात करने वाला हनुमान जैसा बहादुर चाहिए। मनुष्यों के गुण आसुरी हैं। अर्थात् बन्दर जिस्म है। मनुष्य कीमेंट बन्दर से की है। अभी तुम रावण पर जीत पाते हो। तुम अभी बाप से बल लेकर बन्दरों को अन्दर लायक बनाते हो। अभी तुम शिवबाबा के बच्चे पवित्र बनते हो। देवी देवतायें बाबा के बच्चे थे। शिवबाबा ने संगम पर पढ़ाया जो मनुष्य से देवता बने। इसमें तेज बुधि चाहिए पढ़ने लिये। पढ़कर पढ़ाना है। नहीं पढ़ाते तो जड़जड़ीभूत बुधि कहेंगे। फिर कल्पपद पावेंगे। तुम्हारी बुधिअगर स्लैगी पिलैगी तो कम पद पावेंगे। एक बाप से बुधि रखेंगे तो ऊंच पद पावेंगे। अनपढ़े, पढ़े आगे भरी ढावेंगे। देरी से आने वालों को भी कोई फिक्र न करनी चाहिए। नालेज तो सैकण्ड के लिये है। सैकण्ड में जी0 मुक्ति। बाप को पहचाना और वरसा मिला। बाप जो विश्व का मालिक बनाते हैं ऐसे बाप के पास तो जाकर हम बैठ जावें। कब छोड़े हीनहीं। परन्तु कई तो बाबा पास आते ही नहीं। माया का थप्पड़ लगने से मर पड़ते। महारथियों को भी माया हप कर लेती है। महारथी का नाम भी तुम पर है। यह मंदिर बनाने वाले जानते नहीं अन्धश्रद्धा कितनी है। मूर्ति बनाकर पालना कर फिर डुबो देते हैं। लात मार कर भी डुबोते हैं। तुम सभी समझते हो हम अबल नम्बर बेकुफ थे। नम्बरवन पतित था। मुझे इनका ही रथ चाहिए। यह तो पतितथा ना। अभी तुम ये देवता बनते हो। अभी बाप कहते हैं मामेकं याद करो। याद करने से तुम सतोप्रधान बन जावेंगे। फिर नई दुनिया में आवेंगे। कितनी सीधी बात बताते हैं। अच्छा बच्चों को गुड नाईट। नमस्ते।